अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2017) चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | दिनांक 20.12.2017 पूर्णांक – 100

आचार्य श्री कालूगणी – 35

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों का एक वाक्य में उत्तर दीजिए। 5

(क) साध्वी कानकंवरजी को साध्वीप्रमुखा कब बनाया गया?

(ख) ''पूर्वे वयसियोलग्नः संस्कारोनान्यथाभवेत्'' इस नीति कथन का क्या तात्पर्य है?

(ग) मुनि कालू को आचार्य घोषित करने की बात किसने–किससे कही?

(घ) आचार्य कालूगणी के बालसखा कौन थे? लोग उन्हें किस नाम से बुलाते थे?

(ड.) 'कालुकौमुदी' का निर्माण किसने व क्यों किया?

(च) आचार्य अवस्था में कालूगणी ने कितने स्थानों पर कितने चातुर्मास किए?

(छ) कालूगणी के शासनकाल में कितने व्यक्ति दीक्षित हुए? उनमें साधु व साध्वियों की संख्या लिखें।

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

(क) आचार्य कालूगणी के समय शास्त्रार्थ करने में कौन–कौन से मुनि अग्रोक्त थे?

(ख) सामाजिक झगड़े का पुनर्जागरण कब, कहाँ और किसके कारण हुआ?

(ग) बीकानेर में तेरापंथ के विरुद्ध कौन–कौन सी पुस्तकें निकली एवम् किस प्रेस मालिकों द्वारा प्रकाशित की गई?

(घ) प्रतिक्रमण के लिए मुनि मगनलालजी को टोकते हुए कालूगणी ने क्या कहा?

(ङ) तेरापंथी सभा का प्रारम्भ कब और क्यों किया गया?

(च) रतलाम में आचार्य कालूगणी ने पंडितों को अपने प्रचार की क्या पद्धति बतलायी?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 6

(क) आचार्य कालूगणी की हरियाणा यात्रा के दौरान हुए दीक्षा–विरोध पर प्रकाश डालें।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य कालूगणी पुस्तकों की सुरक्षा के प्रति अत्यन्त जागरूक थे।

(ग) आचार्य कालूगणी के सान्ध्यकाल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्र.4 दृष्टांतों (चार या पांच) द्वारा सिद्ध करें कि बालक साधुओं के जीवन–निर्माण में कालूगणी सदा जागरूक रहते थे। 14

''अथवा''

सिद्ध करें कि मुनि मगनलालजी आचार्य कालूगणी के अनन्य सहयोगी थे।

युगप्रधान आचार्य तुलसी – 35

प्र.5 किन्हीं नौ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 9

(क) आचार्य तुलसी ने धर्मसंघ को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए कौनसी नई शिक्षानीति बनाई?

(ख) आचार्यश्री तुलसी ने बंगाल–बिहार की यात्रा कब की?

(ग) आचार्यश्री तुलसी ने प्राचीन धुनें किससे सीखी?

(घ) साहित्य को उपयोगी क्यों कहा गया है?

(ङ) आचार्य तुलसी को 'मानवता का मसीहा' क्यों कहा गया?

(च) जैन धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय कितने और कौन–कौन से हैं?

(छ) ''समण संस्कृति संकाय'' क्या कार्य करता है?

(ज) साहित्यकारों के निर्माण हेतु आचार्य तुलसी ने क्या किया?

(झ) श्रावक समाज के लिए आचार्य तुलसी ने कौनसे ग्रन्थ की रचना की?

(ञ) राजस्थानी पद्य साहित्य में आचार्य तुलसी की कौनसी रचना थी?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) सुधारवादी व्यक्तियों ने आचार्य तुलसी को समाज–सुधार के लिए क्या कहा?

(ख) चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों के नाम लिखें। (कोई पांच)

(ग) आचार्य तुलसी को 'भारत ज्योति' अलंकरण कब, किस उपलक्ष में तथा किसके द्वारा दिया गया?

प्र.7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) जैनविश्वभारती व जैनविश्वभारती संस्थान।

(ख) पद विसर्जन का महान आदर्श।

(ग) दलितों का मसीहा।

प्र.8 देश की समस्याओं के समाधान में आचार्य तुलसी का योगदान। 15

''अथवा''

सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी अमर घोषों के उद्‌घोषक थे।

तुलसी–प्रबोध – 21

प्र.9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) ''धवल समारोह'' वाला पद्य लिखें। (ख) ''पण्णा समिक्खए.....झंकार हो।।

(ग) आण बाण पर.....पुचकार हो।। (घ) हुयो स्वास्थ्य.....मझार हो।।

(ङ) दो सौ ऊपर.....मिला'र हो।।

प्र10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) मरुधर धीरी.....यादगार हो।। (ख) सत्यनिष्ठ.....तिवार हो।।

(ग) मासकल्प.....दिदार हो।। (घ) कर अपवाद.....अधिकार हो।।

(ङ) लोग विरोधी.....पधार हो।।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र11 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''स्वामीजी! थांरी साधना री'' गीत वाला पद्य लिखें।

(ख) भारिमालजी.....उम्मीदवार हो।। (ग) चालू शब्द.....उपहार हो।।

(घ) दो'री लगी.....संभार हो।

(ड.) ''आत्म साक्षात्कार प्रेक्षाध्यान'' गीत वाला पद्य लिखें।